कक्षा-7

विषय - हिन्दी।

पाठ -1.प्रोत्साहन (कविता)

प्रश्नोंत्तर -

मौखिक प्रश्न

प्र०(1) इस कविता के रचयिता कौन हैं ?

उ० - मैथिलीशरण गुप्त हैं।

प्र०(2) कवि किससे सँभलने के लिए कह रहा है ?

उ० - मनुष्यों से

प्र०(3)कवि ने निरा सपना किसे कहा है?

उ० - जग को

प्र०(4) कवि ने मनुष्य से क्या ध्यान में रखने की बात कही है?

उ० - अपने गौरव का

लिखित प्रश्न

प्र०(1) न सँभलने पर क्या जा सकता है?

उ०- सुन्दर अवसर

प्र०(2)अवलंबन को कौन आपके संग है?

उ०- सबका ईश्वर

प्र०-(3)सब जाने पर भी क्या रहना ही चाहिए?

उ०- सम्मान

प्र०(4) किसको अलभ्य न समझा जाए ?

उ०- किसी प्रकार के धन को

प्र०-(5) सुख की निधि किससे मिलती है?

उ०- परिश्रम से

प्र०(6) कवि ने कैसे जीवन को धिक्कारा है ?

उ०- निष्क्रिय अर्थात बेकार जीवन को

दीर्घउत्तरीय प्रश्न

प्र(1) कवि मनुष्य से क्या करने के लिए कह रहा है ?

उ०- कवि इस संघर्षमय जीवन से निराश न होकर कुछ काम करने के लिए कह रहा है ।

प्र०(2) करके विधि-वाद न खेद करो, निज लक्ष्य निरंतर भेद करो ।' इस पंक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

उ०- असफलता पर भाग्य को कोस कर दुखी मत हो ।परिश्रम कर लक्ष्य को प्राप्त करो ।

प्र०(3) प्रभु ने तुमको कर दान किए, सब वांछित वस्तु विधान किए।' इस पंक्ति का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

उ०- ईश्वर ने तुम्हें काम करने के लिए दो हाथ दिए हैं।हर प्रकर की इच्छित वस्तुएँ प्रदान किए हैं। उसका सुख प्राप्त करो।

प्र०(4) उद्यम के विषय में कवि का क्या कहना है?

उ०- व्यक्ति बिना परिश्रम के जीवन में सफलता प्राप्त नहीं कर सकता है। लक्ष्य को पाने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। जिससे सुख मिलता है।